श्री लाल बहादुर शास्त्री : माननीय सदस्य जरूरत से ज्यादा इसमें जा रहे हैं। प्रोक्योरमेंट जब होता ह तो उसकी यह नीति है कि जितने की किसान को अपने लिये जरूरत है वह उसके पास रहे, उसके बाद जितना वह बाजार में ले जाता है उस में से ही लेने की कोशिश की जाये। जहां तक कोअर्शन वगैरह की बात है वह तो हो ही नहीं सकता और हम उसको किसी तरह भी मान नहीं सकते और न उसे पसन्द करते हैं वह हमारी पालिसी के खिलाफ है।

Mr. Speaker: Next question.

श्री मधु लिमये : मैं एक अर्ज करूं। इसके बारे में मैं ने एक प्रश्न दिया था लेकिन उसका उत्तर नहीं आया है। मैं सुरक्षा के सम्बन्ध में एक प्रश्न पूछना चाहता था।

अध्यक्ष महोदय : इस वक्त तो वह नहीं आ सकता।

Memorial for Netaji Subhas Chandra Bose

\+

*654. **Shri S. C. Samanta:**
Shri Subodh Hansda:
Shri M. L. Dwivedi:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 729 on the 20th September, 1965 and **state**:

(a) whether consequent on the findings of the Shahnawaz Committee's Report and the comments of our late Prime Minister, Shri Jawahar Lal Nehru, on the death of Netaji Subhas Chandra Bose, Government of India is contemplating to bring to India the ashes of Netaji kept in Renkoji temple in Japan;

(b) if so, whether a fitting memorial will be constructed in front of the Red Fort, Delhi; and

(c) if not, how Netaji's memory is going to be preserved?

The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh): (a) This is not contemplated at present.

(b) and (c). The question of construction of memorials in Delhi in the form of statues for seven national leaders is currently being considered by the Ministry of Works and Housing. Netaji Subhash Chandra Bose is one of these leaders.

Shri S. C. Samanta: Is it not a fact that since 1948, in this House, demands were made to bring the ashes of Netaji from Japan? May I know why Government are still saying that that is not being considered?

Shri Swaran Singh: This point was clarified by the late Prime Minister when he made a statement on the floor of the House in Rajya Sabha, I think, on 11th September, 1956. He had expressed the view that the family members would also be consulted and that at a suitable time the ashes would be brought to India and that such a suitable time had not arrived at that time.

Shri S. C. Samanta: May I know whether Government have any doubt about the statement appearing in the papers that the Shoulmari Ashram Sadhu is Netaji Subhas Chandra Bose? If the statement is not correct, may I know why Government are not contradicting it?

Shri Swaran Singh: Government are fully satisfied that the said Sadhu is certainly not Netaji Subhas Chandra Bose. Let this be the contradiction.

श्री म० ला० द्विवेदी : नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के मैमोरियल के सम्बन्ध में उनकी एक आदम कद मूर्ति लाल किले के सामने कहीं लगाये जाने का विचार सरकार या नगर निगम कर रहा है। मैं जानना चाहता हूं कि सरकार का इस कार्य में कितना सहयोग होगा, वह मूर्ति कहां से उपलब्ध की जायेगी और उसमें क्या व्यय होगा ?

श्री स्वर्ण सिंह : वर्क्स एंड हाउसिंग मिनिस्ट्री ने इस काम के लिए एक कमेटी कायम की है और वह इस पर विचार कर रही है। लाल किले के करीब एक जगह सजेस्ट की गयी है जहां मूर्ति लगायी जा सकती है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : शैलीमारी बाबा के बारे में समाचारपत्रों में समाचार आते हैं कि वहां के बाबा नेताजी हैं। क्या सरकार ने उस आश्रम की छानबीन कर ली है, या जब सरकार को विश्वास हो जायेगा कि वह नहीं हैं उसके बाद ही यह मूर्ति लगाई जायेगी ?

अध्यक्ष महोदय : इसका जवाब आ गया।

श्री हुकम चन्द कछवाय : इसकी छान बीन कर ली है या नहीं ?

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने इसके बारे में कह दिया है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : पत्रों में जो समाचार आते हैं उनको बन्द करना चाहिए। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि समाचारपत्रों में जो समाचार आते हैं उनको बन्द करावे।

Shri Hari Vishnu Kamath: Is it not a fact that the Shahnawaz Committee has made no reference whatsoever to the so-called ashes of Netaji Subhas Chandra Bose kept in an urn in the Renkoji temple in Tokyo, and if so, is Government in a position firmly and categorically to state that it will not touch these so-called ashes even with a barge pole unless it has got some evidence to the contrary?

Shri Swaran Singh: The Shahnawaz Committee Report has been laid on the Table and the hon. Member can refer to that. I would like to draw his attention to an extract from the Report where they have recommended:

> "If the ashes are taken to be genuine, the Renkoji temple cannot obviously be their final resting place. It is time that his ashes were brought to India with due honour. . . ."

Shri Hari Vishnu Kamath: If the ashes are genuine a big 'if'.

Shri Swaran Singh: "..and a memorial eracted for them at a suitable place".

Shri Hari Vishnu Kamath: There is no proof that they are the real ashes.

श्री शिव नारायण : मैं यह जानना चाहता हूं कि जब राख वहां रखी हुई है तो सरकार को उसको मंगवाने में क्या आपत्ति है ?

अध्यक्ष महोदय : आप ने सुना नहीं है? उन्होंने आपत्ति तो बतायी है।

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि जब हम एक ऐसे संकट में से निकल रहे हैं कि जहां हर चीज की आवश्यकता है, तो ऐसे समय में इस प्रकार की नेताओं की मूर्तियां बनवा-बनवा कर रखना क्या धन का अपव्यय नहीं है ? क्या ये नेता चीन या पाकिस्तान से लड़ने के लिए जायेंगे। सरकार इस प्रकार का यत्न क्यों कर रही है ?

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार के इल्म में यह बात आयी है कि जो लोग नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का श्राद्ध मना चुके हैं और जिन्होंने इस बात की शिकायत की थी, उस समय सेंटर का कोई मिनिस्टर नहीं आया वही लोग अब यह स्टंट खड़ा करके कि नेताजी जिन्दा है लोगों में उत्तेजना फैला रहे हैं? यदि हां, तो सरकार इनके खिलाफ क्या ऐक्शन ले रही है ?

श्री हुकम चन्द कछवाय : समाचारपत्रों में यह आता है।

श्री स्वर्ण सिंह : इसका जवाब मैं क्या दूं, कोई कहता है तो कहे जाये । हम उसके खिलाफ क्या ऐक्शन ले सकते हैं ?

श्री हुकम चन्द कछवाय : अखबारों में यह बराबर निकल रहा है ।

श्री स्वर्ण सिंह : गवर्नमेंट इस बारे में सैटिसफाई हो चुकी है । अखबार वाले निकालते हैं तो निकालते चले जायें । मैं क्या कर सकता हूं ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : इसको बन्द करवाइए । इससे लोगों में उत्तेजना फैलती है । ऐसे लोगों पर मुकदमा चलाया जावे ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

Shri P. R. Chakraverti: Is the reluctance of Government to bring over the Ashes of Netaji from Japan due to the fact that there is a sonsiderable body of opinion, very strong opinion, growing—which is also endorsed by the members of his family —that Netaji is not dead?

Mr. Speaker: I am not allowing it.

Shri P. K. Deo: Last August, when I was in the Renkoji Temple, Tokyo, I wanted to find out the evidence that these ashes belong to Netaji. I was told by the Indian there that it has to be believed like the bal in Hazarat Bal. So, this is more of belief than of evidence.

Mr. Speaker: Has he any question to ask?

Shri P. K. Deo: My question is this. In view of these conflicting statements, may I know if the Government is coming forward with a firm reply so that all speculation may stop?

Mr. Speaker: He has given that firm reply.

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, इस बात को मद्देनजर रखते हुए कि देश की जनता को नेताजी से बहुत प्यार है और आज हमारी सरहदों पर फ़ौजी ख़तरा है, क्या सरकार की निगाह में यह बात है कि कभी इस बात का प्रचार कर के कि नेताजी जीवित हैं उन के नाम से किसी फ़र्जी आदमी को खड़ा कर के किन्हीं स्वार्थों की पूर्ति के लिए उस का दुरुपयोग करना देश के लिए घातक हो सकता है; यदि हां, तो क्या सरकार इस प्रकार की सम्भावना को रोकने का यत्न कर रही है ?

Mr. Speaker: Shri Nath Pai.

Shri Nath Pai: Has Government any information as to by whom, when and under what circumstances, the ashes which are supposed to be Netaji's were deposited in that temple?

Shri Swaran Singh: Whatever information the Government have on this point is contained in the Shahnawaz Committee Report. Outside that, we have not got any other information.

Shri Daji: Even supposing Government considers this to be propaganda, I would like to know whether the Government is aware that by the power of this propaganda, thousands of rupees have been collected and are being collected even from distant places like Indore and other places, and some persons are exploiting the name of Netaji. Does not Government even then propose to take action against them?

Shri Swaran Singh: If on wrong assertions, money has been collected, certainly that is a matter which should be taken note of by the State Government, and now that Shri Daji, and hon. Member of this House, has made that statement, I will certainly look into it through the State Government.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या रक्षा मंत्रालय को जनता की ओर से ऐसा कोई सुझाव मिला है कि देश की आवश्यकताओं को

देखते हुए खडगवासला की नैशनल डिफ़ेंस एकेडेमी की तरह नेता जी सुभाषचन्द्र बोस के नाम पर एक और नैशनल डिफ़ेंस एकेडेमी की स्थापना की जाये; यदि हां, तो उस पर रक्षा मंत्री की क्या प्रतिक्रिया है ?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): I do not remember now about any memorandum or suggestion received in the Defence Ministry on this question, but at the present moment there is no proposal of starting any other academy. This much I can say.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : नेताजी के नाम पर ?

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस प्रश्न की शब्द-रचना पर आपत्ति है ।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य को अपना सवाल कर लेने दीजिये ।

श्री मधु लिमये : आप पहले मेरी बात तो सुन लीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : मैं उसको निकाल तो नहीं सकता हूं ।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, जब कि इस सदन में यह बात रखी गई है कि पाकिस्तान के विमानों ने जान-बूझ कर इस विमान को गिराया, तो इस को हम "दुर्घटना" कैसे कह सकते हैं ? इस से तो पाकिस्तान की सफ़ाई हो जाती है । इसलिए इस प्रश्न की शब्द-रचना में ज़रा फ़र्क किया जाये ।

अध्यक्ष महोदय : श्री प्रकाशवीर शास्त्री ।

स्वर्गीय श्री बी० जी० मेहता की विमान दुर्घटना

\+

*655. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री विद्याचरण शुक्ल :
श्री यशपाल सिंह :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
श्री किन्दर लाल :
श्री प्र० चं० बरुआ :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात के स्वर्गीय मुख्य मंत्री श्री बी० जी० मेहता की विमान दुर्घटना के बारे में कुछ और तथ्यों का पता लगा है;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या पाकिस्तान सरकार ने इस दुर्घटना पर भारत सरकार से खेद प्रकट किया है ?

The Deputy Minister in the Ministry of Defence (Dr. D. S. Raju): (a) and (b). The Director of Air Safety, Civil Aviation Department, who investigated the accident, has come to the conclusion that the accident was due to the aircraft being fired upon in the air by hostile aircraft, and that during the subsequent attempt by the pilot to take evasive action, the aircraft contacted the ground at high speed on flat terrain, broke up and caught fire.

(c) The Government of Pakistan have not yet replied to our protest.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : श्रीमन्, गुजरात के मुख्य मंत्री, बलवन्त भाई, की मृत्यु के सम्बन्ध में क्या सरकार ने यह भी जानने का यत्न किया है कि हालांकि उनकी कैबिनेट के अपने साथियों को भी उन के उस क्षेत्र में भ्रमण के समाचार की जानकारी नहीं थी, लेकिन पाकिस्तान तक यह जानकारी पहुंच गई, तो क्या पाकिस्तान के इस प्रकार के कुछ भेदिये तो नहीं थे, जिन के द्वारा यह जानकारी पाकिस्तान तक पहुंची ?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): From the enquiries made, no indication of this type has come out. The movement of the plane